अपनी बकाया राशियां नहीं चुका सके और प्रत्येक तेलशोधक कारखाने पर कितनी राशि बकाया थी; और

(घ) क्या सरकार तेल उद्योग के कार्यकरण को सुचारू ढंग से चलाया जाना सुनिश्चित करने के लिए इतनी राशियां बकाया न होने देने के लिए कोई अतिरिक्त व्यवस्था करने का विचार रखती है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैएन सतीश शर्मा): (क) से (घ) ओ आई एल के अनुसार किसी भी रिफाइनरी से निर्धारित उधार अवधि के बाद कोई धनराशि बकाया नहीं है। ओ एन जी सी ने अनुमत निर्धारित उधार अवधि के बाद, विवादित धनराशि सहित प्रत्येक रिफाइनरी से निम्नलिखित बकाया धनराशियों की सूचना दी है:

(करोड़ रुपये में)

रिफाइनरी	1992-93	1993-94	1994-95
आई ओ सी	7.66	7.89	7.89
बी पी सी एल	10.77	1.15	—
एच पी सी एल	1.69	1.00	0.53
एम आर एल	0.35	0.35	0.35
सी आर एल	1.53	0.98	—
बी आर पी एल	0.12	0.12	0.12
कुल	22.12	11.49	8.89

उपर्युक्त बकाया धनराशियां, मुख्य रूप से मात्रा विवादों और रिफाइनरों द्वारा मूल्य के कतिपय तत्वों की अप्रतिपूर्ति से संबंधित हैं। तथापि, सरकार रिफाइनरियों से बकाया धनराशियों की निगरानी करती है।

पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में वृद्धि

6257. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सच है कि देश में गत दो दशकों के दौरान पेट्रोलियम उत्पादों की खपत प्रतिवर्ष 50 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ी है;

(ख) इस संबंध में क्रमशः 70वें दशक, 80वें दशक तथा 90वें दशक में वार्षिक वृद्धि के दर के क्या अनुमान है;

(ग) क्या यह भी सच है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इन उत्पादों की खपत भारत की तुलना में प्रतिवर्ष कम प्रतिशत की दर से बढ़ी है;

(घ) यदि हां, तो विश्व स्तर पर वार्षिक वृद्धि दर उपरोक्त अवधि के दौरान क्या क्या रही है;

(ङ) क्या सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों की दर में वृद्धि के कारणों का पता लगाया है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैएन सतीश शर्मा): (क) और (ख) सत्तर, अस्सी और नब्बे के दशकों के दौरान पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में वृद्धि की वार्षिक दर 1.7 से 12 प्रतिशत वार्षिक के बीच रही है। पिछले दो दशकों अर्थात 1970-71 की तुलना में 1980-81 और 1980-81 की तुलना में 1990-91 में पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में क्रमशः 73 प्रतिशत और 18.1 प्रतिशत की वृद्धि परिलक्षित हुई है।

(ग) से (घ): पिछले दो दशकों में पेट्रोलियम उत्पादों की विश्व खपत में वृद्धि निम्नवत् रही है:

(आंकड़े एम एम टी में)

	1971	1981	प्रतिशत वृद्धि
मात्रा	2415	2918	20.82
	1981	1991	प्रतिशत वृद्धि
मात्रा	2918	3120	6.92

उपर्युक्त आंकड़े अस्सी के दशक के बाद से पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में वृद्धि दर्शाते हैं।

(ङ) और (च) तरल ईंधन (पेट्रोलियम उत्पाद) मुख्यतया स्विंग ईंधन हैं और उनकी खपत विद्युत, कोयला आदि जैसे ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की उपलब्धता द्वारा प्रभावित होगी। ऊर्जा के इन वैकल्पिक

स्रोतों में से किसी एक में विफलता बढ़ी हुई खपत में परिणामित होगी।

Expansion plans for HPCL Refineries

6258. SHRI SARDA MOHANTY: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether the Hindustan Petroleum Corporation Ltd. (HPCL) has drawn up various expansion plans for its refineries if so, the details thereof; and

(b) the amount of investments proposed to be made by HPCL during the Eight and Ninth Five year Plan for this purpose?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA): (a) and (b) Hindustan Petroleum Corporation Ltd. has proposal for expansion of its vizag Refinery from 4.5 to 7.5 MMTPA.

HPCL have also proposal for expansion of MRPL; a joint venture refinery between HPCL and Indian Rayan Industries Limited, from 3 MMTPA to 6/9 MMTPA.

These proposals are under various stages of processing.

During the Eighth Plan Period, an expenditure of Rs. 551.70 crores is proposed to be incurred on visakh Refinery expansion and Rs. 365 crores on mangalore Refinery expansion project, respectively. During the Ninth Plan Period, an additional amount of Rs. 446.56 crores is expected to be incurred on visakh refinery expansion.

Petrol and Diesel Pumps in Punjab

6259. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) what is the total number of Petrol and Diesel Pumps in Punjab, as on the 31st march, 1995;

(b) what are the details of aforesaid pumps installed in the State during 1992-94; and

(c) the names of districts of the State where the Petrol and Diesel Pumps would be opened during the next two years?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA): (a) As on 1.4.1995, there were 1001 Retail Outlet dealerships functioning in Punjab.

(b) During the period 1992 to March, 1994 25 Retail Outlet dealerships were commissioned in Punjab.

(c) 34 retail Outlet dealerships have been included in the RO marketing Plan 1993-96 for the following districts in Punjab:

1. Mritsar
2. Bhatinda
3. Faridpur
4. Fatehgarh Saheb
5. Gurdaspur
6. Jallandhar
7. Kapurthala
8. Ludhiana
9. Mansa
10. Patiala
11. Sangrur

Southern Gas Grid

6260. SHRI V. GOPALSAMY: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to refer to answer to starred Question 323 given in the Rajya Sabha on the 26th April, 1995 and state:

(a) when Government accepted/approved the concept of Southern Gas Grid;

(b) when the concerned started working on Southern Gas Grid;

(c) by when the project report would be ready;

(d) the number of meetings in the past which took place among the concerned, the details regarding the date of each meeting, the names of the participants